जंगल की सभा

(पर्यावरण अध्ययन)

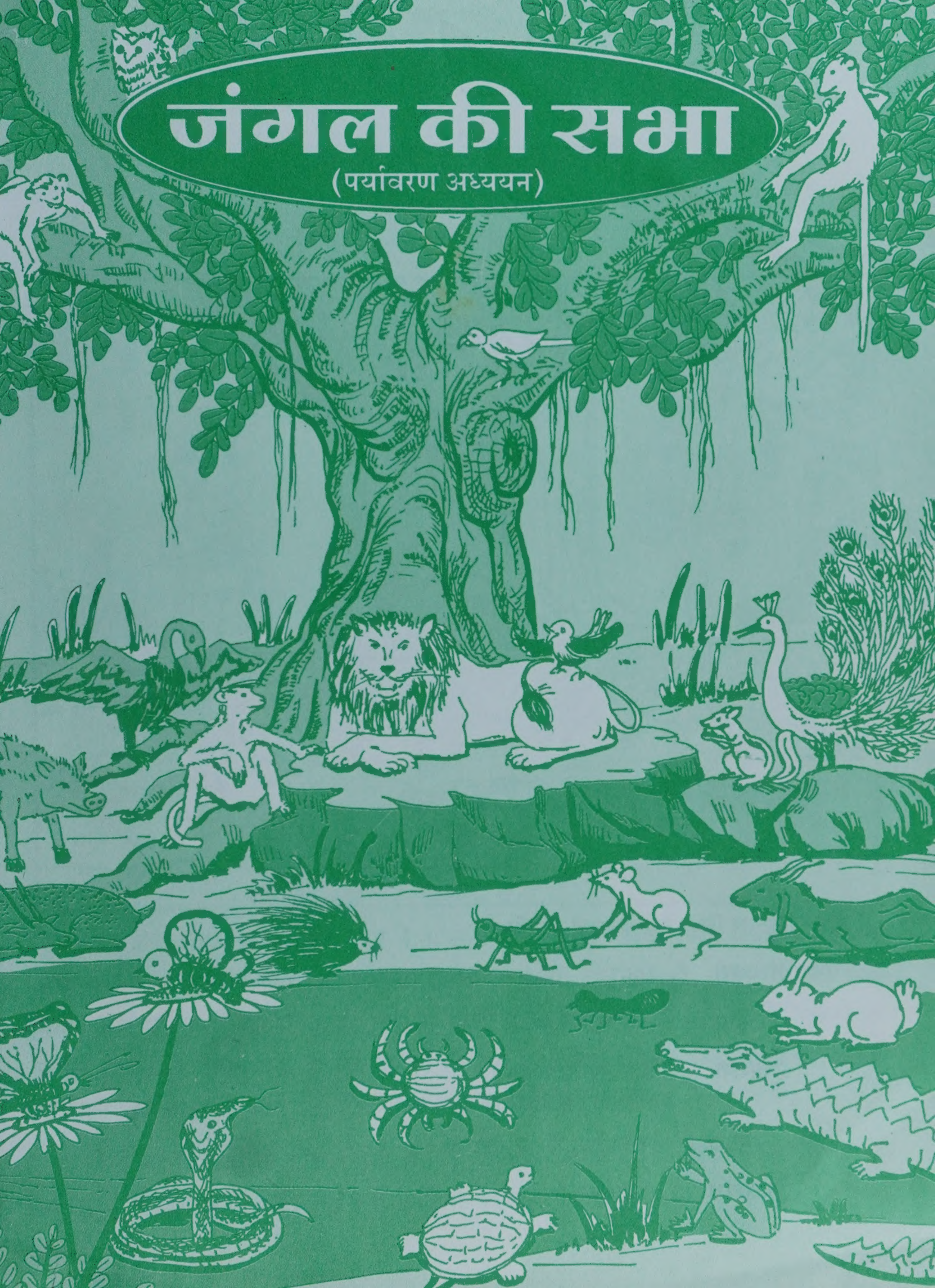

© दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति

प्रथम संस्करण : 1997

मूल्य : सात रुपये

प्रकाशक : दिगन्तर संदर्भ केन्द्र,
जयपुर- 302025

मुद्रक : भालोटिया प्रिंटर्स, जयपुर

कलापक्ष : उमाशंकर शर्मा

जंगल की सभा

एक बार जंगल के बूढ़े शेर दद्दू ने अपने आस-पास के जानवरों और चिड़ियों की एक सभा बुलाई। सभा में दद्दू शेर के अलावा चपलू- कछुआ, रानी-लोमड़ी, सोनू-चिड़िया, भीकू--बन्दर और मुनिया-हिरणी भी आईं। सभा में सबसे पहले सोनू-चिड़िया ने कहा कि इस समय जंगल में एक आदमी आया है। वह दिन में तो इधर-उधर घूमता है। पर रात में अपने दोस्तों के साथ एक गाड़ी में आता है और आस-पास के पेड़ों को काट कर ले जाता है।

पेड़ों पर चिड़ियों के घोंसले होते हैं। वे घोंसले तो टूटते ही हैं। यदि घोंसलों में अण्डे हों तो वे भी टूट जाते हैं। इससे सारी चिड़ियां बहुत दुःखी हैं।

लोमड़ी ने भी शिकायत की कि वह जहाँ रहती है। वहाँ भी एक गाड़ी आती है और मिट्टी खोद कर ले जाती है। जिससे कई बार उनके बिल भी टूट जाते हैं।

तभी मुनिया हिरणी ने बताया कि कल वह तालाब पर पानी पीने गई थी। वहां मछली दीदी भी बहुत दु:खी थी। कह रही थी कि एक आदमी तालाब में कोई चीज फैला कर जाता है। रात में कई मछलियाँ उसमें फँस जाती है और सुबह वह उन सबको ले जाता है।

तालाब में अब कुछ ही मछलियाँ बची हैं। उन्हें तो चिन्ता है कि पता नहीं कल वे भी बच पायेंगी या नहीं।

दद्दू शेर बड़े ध्यान से सबकी बातें सुन रहा था। सभा में सभी बड़े दु:खी और डरे हुए बैठे थे।

अन्त में दद्दू शेर ने कहा -"यह केवल हमारी ही परेशानी नहीं है। इसलिए हमें जंगल में रहने वाले और जंगल से बाहर रहने वाले जानवरों को बुलाना पड़ेगा।"

यह काम किसी अकेले का नहीं था। सबने अपना काम बांट लिया। रानी लोमड़ी जहाँ रहती थी वहाँ रहने वाले साथियों को बुलाने का काम उसने लिया।

सोनू चिड़िया ने अपने साथ रहने वाली और चिड़ियों को बुलाने का काम लिया। चपलू कछुआ नदी और तालाब में रहने वाले साथियों को बुलाने को तैयार हुआ। और भीकू बन्दर को जंगल के बाहर रहने वाले साथियों को बुलाने का काम दिया गया।

अगले महीने इसी दिन सभा फिर से होगी, यह तय करने के बाद सभा खत्म कर दी गई।

क्या जंगल के इन साथियों की हम भी कुछ मदद कर सकते हैं?

सबकी मदद एक साथ करना तो कठिन होगा। चलो, पहले सोनू चिड़िया की मदद करते हैं।

सोनू को सभी प्रकार की चिड़ियों को बुलाना है।

*चिड़ियों को हम पक्षी भी कहते हैं। ये पेड़ की शाखा पर या कोटर में अपना घर बनाते हैं। इनका घर सूखे घास-फूस, धागे, पत्ते और रूई आदि से बना होता है। जिसे हम **घोंसला** कहते हैं। अलग-अलग प्रकार के पक्षी अलग-अलग प्रकार के **घोंसले** बनाते हैं।*

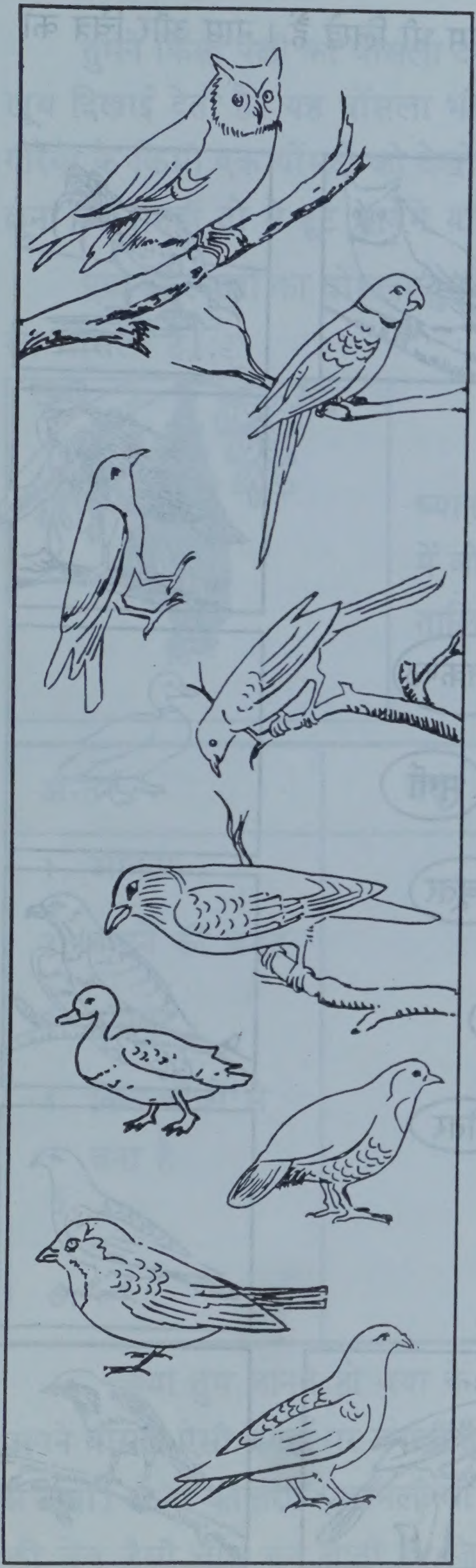

तुम कितने प्रकार के पक्षियों को जानते हो? अपने शिक्षक या घर वालों से पूछ कर पक्षियों के नामों की एक सूची बनाओ -

क्र.	पक्षियों के नाम	क्र.	पक्षियों के नाम
1		11	
2		12	
3		13	
4		14	
5		15	
6		16	
7		17	
8		18	
9		19	
10		20	

पक्षियों की यह सूची सोनू चिड़िया को देकर अब हम आगे बढ़ते हैं।

यहाँ कुछ पक्षियों के चित्र दिये हैं, बीच में उनके नाम भी लिखे हैं। नाम और चित्र को रेखा से मिलाओ।

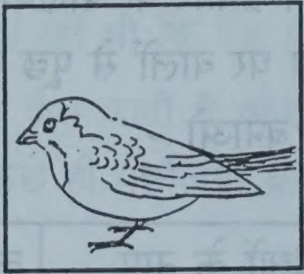

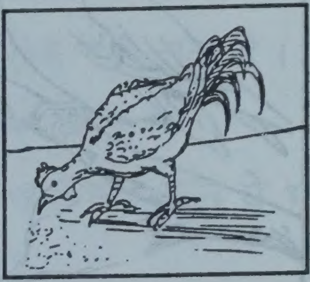

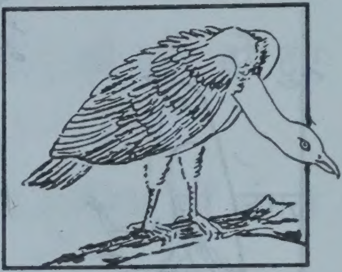
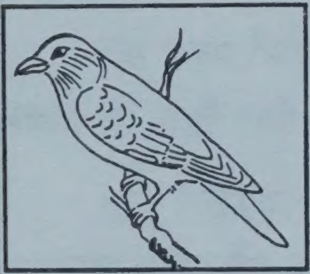
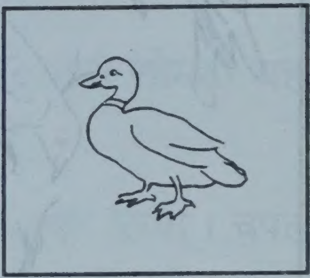

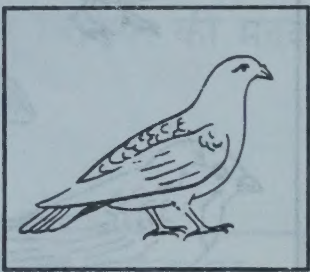

उल्लू
कौआ
गौरैया
नीलकण्ठ
मोर
चील
मुर्गी
बतख
कबूतर
शतुरमुर्ग
सारस
तोता
बया
तीतर
गिद्ध
कोयल

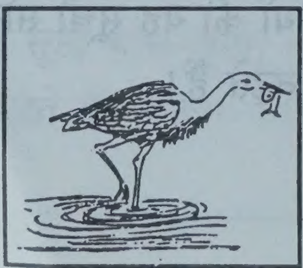
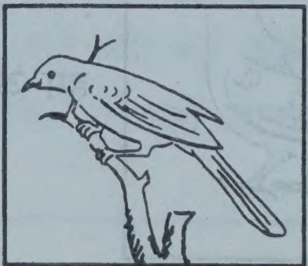

तुमने किसी पक्षी का घोंसला देखा है? चलो, देखते हैं। हमारे आस-पास गौरैया चिड़िया खूब दिखाई देती है। यह घोंसला भी बनाती है। इसके घोंसले तो घरों में भी मिल जाते हैं। गौरैया के किसी एक घोंसले को देखो। पर ध्यान रहे यदि धोंसले में अण्डे या बच्चे हो तो उन्हें छूना नहीं। नहीं तो वे टूट जायेंगे या उन्हें नुकसान पहुँच सकता है।

एक और पक्षी का घोंसला तुमने गाँव में ही पेड़ों पर लटकता देखा होगा। यह बया पक्षी का धोंसला है।

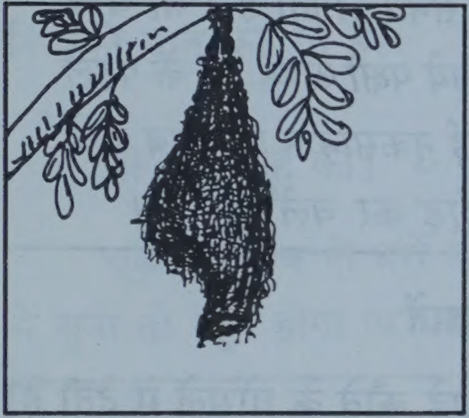

दोनों घोंसलों को भी ध्यान से देखो और इन घोंसलों में जो अन्तर है उसे नीचे बनी तालिका में लिखो -

अन्तर	बया का घोंसला	गौरैया का घोंसला
1. आकार		
2. बनाने की जगह		
3. बनावट		
4. किन चीजों से बना है		
5.		
6.		

क्या तुम जानते हो बया के समान सुन्दर घोंसला और कोई नहीं बना सकता? यह अपने घोंसले ऐसी जगहों पर बनाती है जहाँ उसे कोई नुकसान न पहुँचा सके। घोंसले को ध्यान से देखो। अन्दर की तरफ एक नली सी होती है, जो आगे जाकर मुड़ जाती है और तुम्हारे कमीज की ज़ेब जैसी चीज बन जाती है, जिससे उसके अण्डे गिरें नहीं या टूटें नहीं।

बया घोंसले का दरवाजा ऐसा बनाती है कि केवल वही अन्दर जा सकती है। दूसरा कोई पक्षी अन्दर जाने की कोशिश करेगा तो अटक जायेगा।

बया कभी-कभी घोंसला अधूरा छोड़ कर उसे झूले की तरह बना लेती है। जिस पर उसके बच्चे आराम से झूलते रहते हैं।

बया घोंसले के अन्दर गीली मिट्टी से पलस्तर भी कर देती है।

सभी पक्षी अण्डे देते हैं। अण्डों से बच्चे निकलने में कुछ समय लगता है। जो बच्चे निकलते हैं बहुत कमजोर होते हैं। उड़ भी नहीं सकते। इसलिये पक्षी अण्डे देने के पहले घोंसला बनाते हैं। जिससे उनके अण्डों और बच्चों को कोई नुकसान न हो। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं और उड़ने लग जाते हैं तब वे घोंसला छोड़ कर चले जाते हैं।

पक्षियों के बारे में कुछ मजेदार बातें

सभी पक्षी अपना घोंसला बनाते हैं। पर कोयल अपने अण्डे कौवे के घोंसले में देती है। कौवे को पता न चले इसलिये उसके कुछ अण्डों को बाहर फेंक देती है और उनकी जगह पर अपने अण्डों को रख देती है। दोनों के अण्डों में भी थोड़ा ही अन्तर होता है। जिसे कौआ समझ नहीं पाता। जब अण्डों से बच्चे निकलते हैं-तो उनको कौआ पालता है। बड़े हो जाते हैं, तो वे उड़ जाते हैं। लोग कहते हैं कि कौआ चालाक होता है। पर कोयल तो उस को भी बुद्धू बना देती है।

- एक दर्जी चिड़िया भी होती है। यह पत्तों को सी कर अपना घोंसला बनाती है। यह बया चिड़िया के समान होती है।

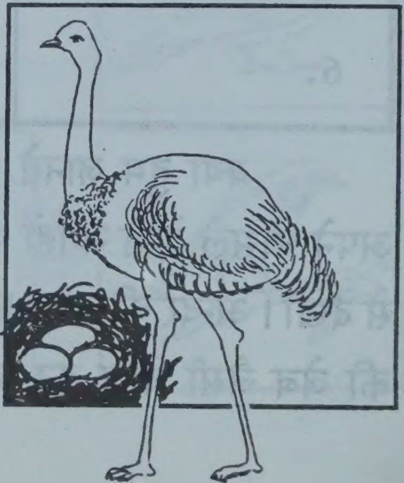

- दुनिया में सबसे बड़े पक्षी का नाम शुतरमुर्ग हैं। यह अफ्रीका में पाया जाता है। इसके अण्डे भी सबसे बड़े और मजबूत होते है। अण्डों को नुकसान न पहुँचे इसलिये पक्षी घोंसला बनाते हैं। परन्तु कभी कभी शुतरमुर्ग अपने अण्डों को ही खा जाते हैं। शुतरमुर्ग उड़ नहीं सकता। परंतु यह दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला पक्षी है। कई बार लोग इस की पीठ पर बैठ कर दौड़ का मुकाबला करवाते हैं।

सोनू चिड़िया की मदद करते-करते तो हमने न जाने कितनी बातें कर लीं। अब चलो रानी लोमड़ी का भी कुछ काम करा दें ।

रानी लोमड़ी को बिल में रहने वाले जानवरों को बुलाना है।

बिल में रहने वाले एक जानवर को तो तुम अच्छी तरह पहचानते हो। वह तुम्हारे घर में ही रहता है। समझ गये हम किसकी बात कर रहे हैं?

जी हाँ, चूहे की।

चूहा हम सब के घरों में ही लम्बे-लम्बे बिल बना कर रहता है। चूहे के बिल के बारे में सुना तो खूब होगा पर क्या कभी इस बिल को ध्यान से देखा भी है?

चूहे या अन्य बिल में रहने वाले जीव अपने दांतों या पंजों से मिट्टी खोद-खोद कर एक सुरंग जैसी चीज बनाते हैं। सुरंग नाली जैसी रचना होती है जो जमीन के नीचे बनाई जाती है। मिट्टी खोदने के साथ ही अपने शरीर को गोल-गोल घुंमा करके बिल को अन्दर से चिकना बना लेते हैं।

गांव के बाहर खेतों और जंगल में जहां लोग कम जाते हों वहाँ खरगोश के बिल आसानी से मिल जायेंगे। इनके बिल में हमारे घरों की तरह कमरे भी बने होते हैं। इन बिलों की लम्बाई इतनी अधिक होती है कि जिसे देखकर आश्चर्य होता है।

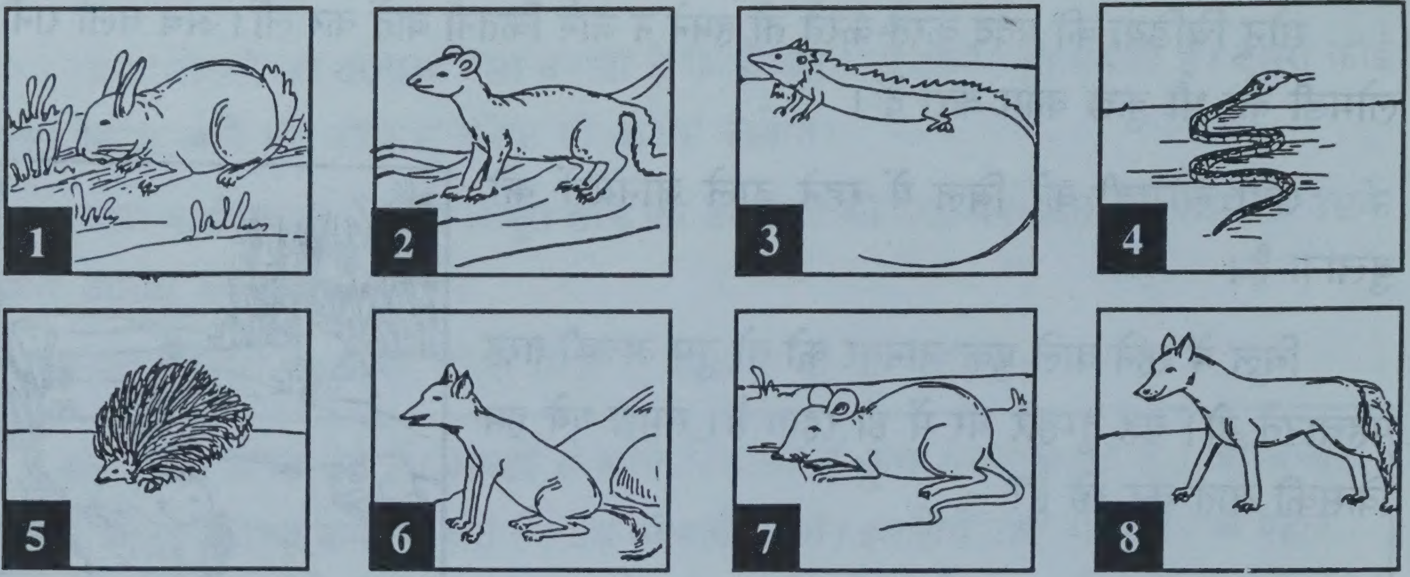

1. ____________ 2. ____________ 3. ____________ 4. ____________

5. ____________ 6. ____________ 7. ____________ 8. ____________

बिल में रहने वाले जीव

ऊपर कुछ चित्र बने हैं। चित्रों पर नम्बर पड़े हैं। चित्र पहचान कर सही नम्बर वाली जगह में जीव का नाम लिखो।

लो भई सोनू चिड़िया और रानी लोमड़ी का काम तो हो गया पर एक बात तो हम भूल ही गये। ददू शेर काफी बूढ़े हो गये हैं। उनकी मदद हमें पहले करनी चाहिये थी। पर कोई बात नहीं, अब कर देते हैं ।

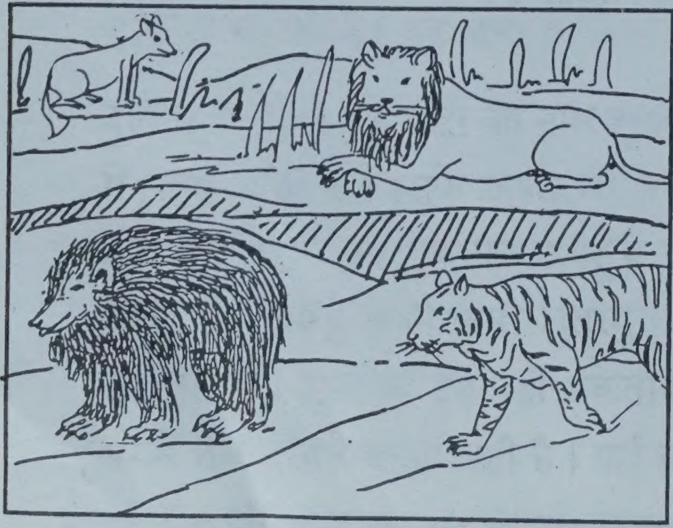

ददू शेर खुद गुफा में रहते हैं। इसलिये उनकी हमें ज्यादा मदद नहीं करनी पड़ेगी।

वैसे भी गुफा में रहने वाले जानवरों की संख्या दूसरों की तुलना में कम ही है।

सामने चित्र में गुफा में रहने वाले जानवरों को दिखाया गया है।

क्या तुम जानते हो गुफा क्या होती है?

जंगल में पेड़ पौधों के अलावा बड़ी-बड़ी चट्टाने होती हैं। इन चट्टानों के बीच-बीच में कुछ जगह छूटी होती है जिससे एक कोठरी या घर जैसा बन जाता है। इसे ही गुफा कहते हैं।

जंगल में रहने वाले ऐसे भी कई जानवर होते हैं जो न तो बिल में रहते हैं और न ही गुफा में। बल्कि जंगलों में झाड़ियों के पीछे या किसी एकांत जगह पर छिपकर रहते हैं। जैसे- हाथी, हिरण, बाहरसिंघा, सांभर, गेंड़ा, तेदुंआ, चीता आदि।

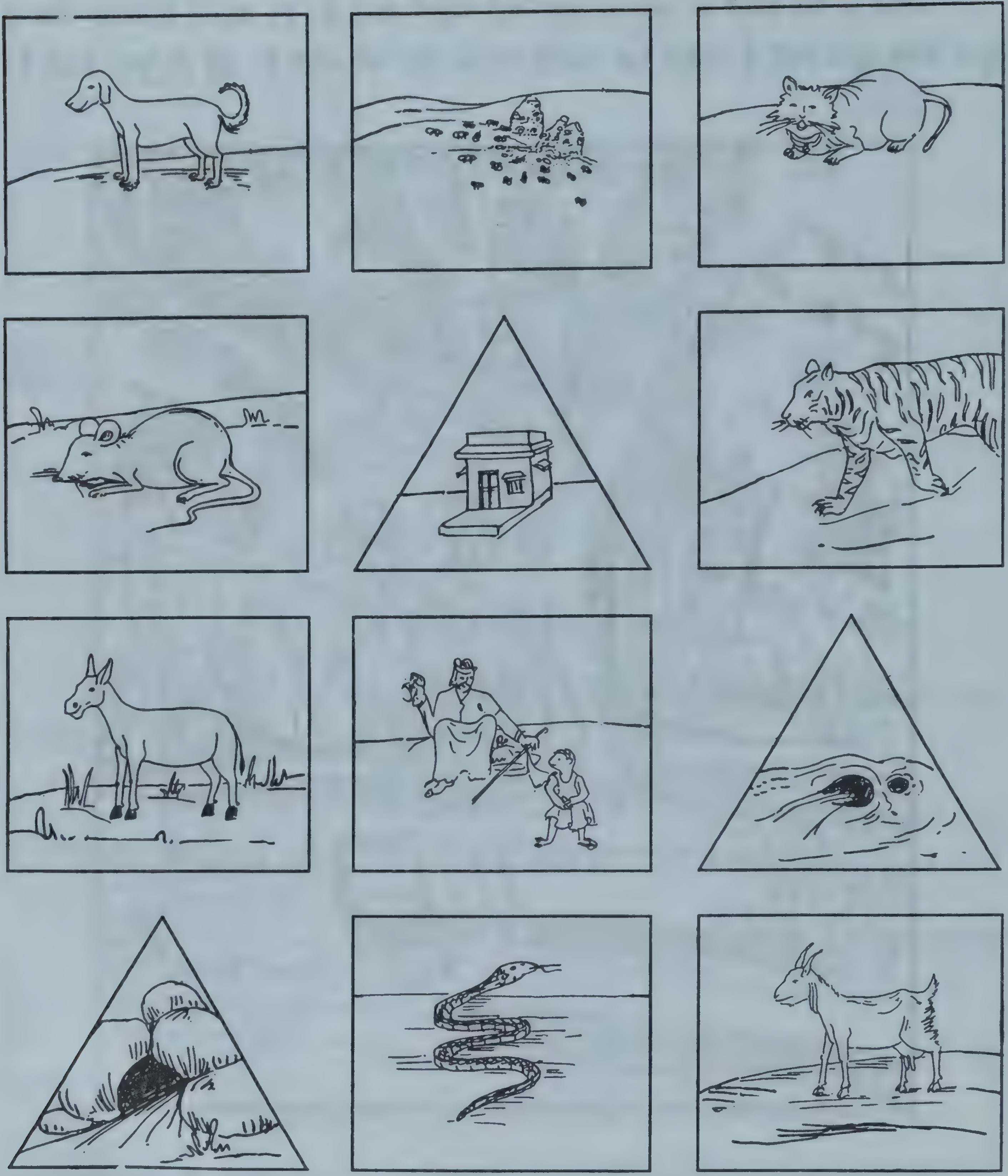

आगे जानवर, पक्षी, कीट पतंगे और जल में रहने वाले जीव बने हैं। उन्हें उनके घर तक पहुँचाइये।

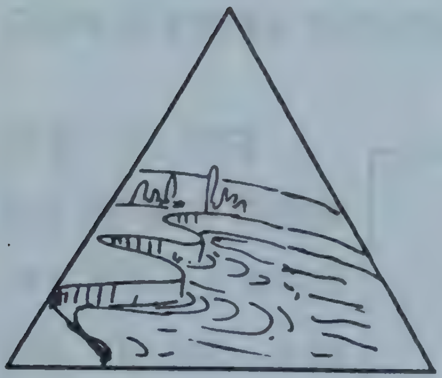
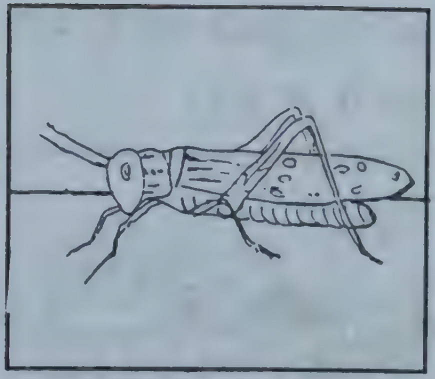
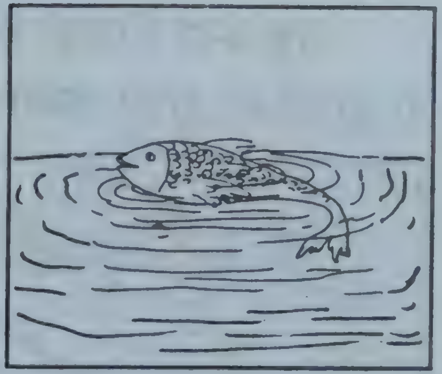

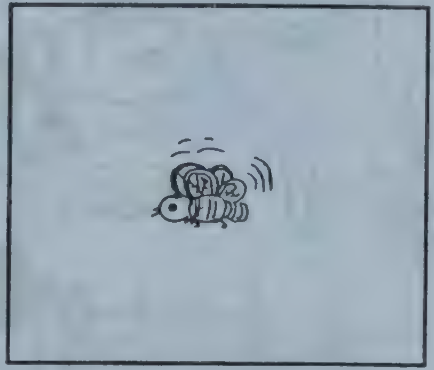
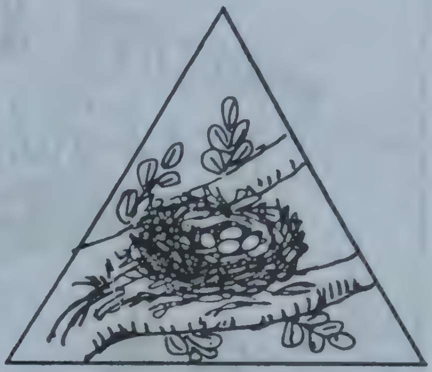
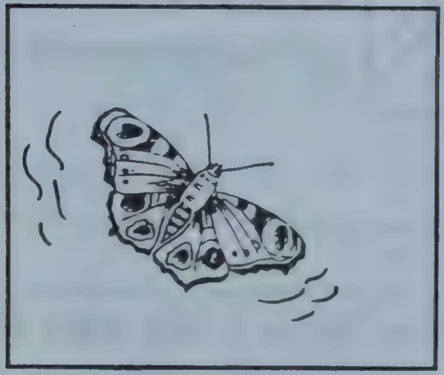
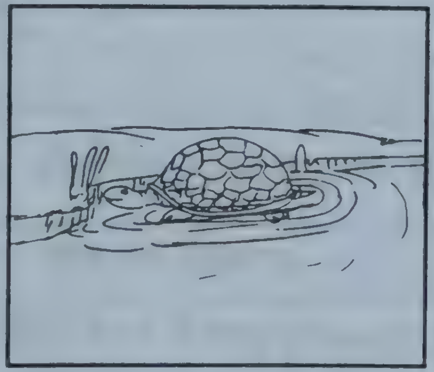
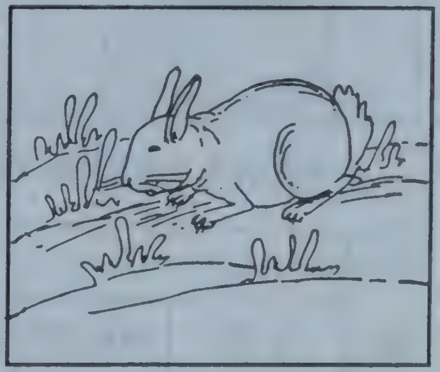

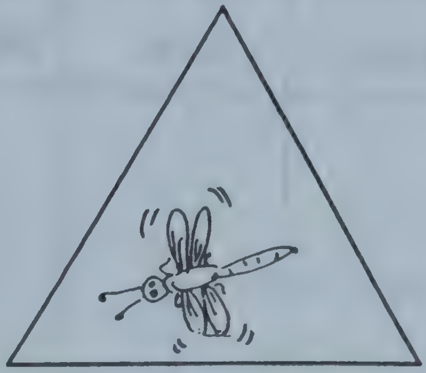
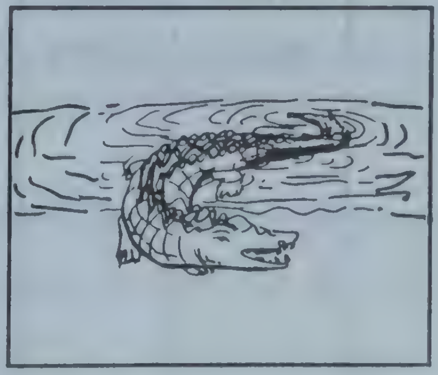

भीकू बन्दर की मदद करने के लिए तुमको कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा। कई तरह के जानवर तो तुम्हारे या तुम्हारे दोस्तों के घर में ही होंगे।

इनमें से कुछ जानवरों से तो हमें कुछ मिलता है । जैसे दूध, मांस, ऊन या बाल आदि। कुछ जानवर हमारें काम में मदद करते हैं। कुछ ऐसे होते हैं जिनसे न तो हमें कुछ मिलता है और न ही वे हमारी कोई मदद ही करते हैं। पर उनके साथ रहना हमें अच्छा लगता हैं।

ऐसे कई प्रकार के जानवरों की एक सूची बनाते है:

क्र.	जानवरों के नाम					
	दूध देने वाले जानवर	मांस देने वाले जानवर	ऊन या बाल देने वाले जानवर	काम में मदद करने वाले जानवर	ऐसे जानवर जिनके साथ रहना हमें अच्छा लगता है।	पैसा कमाने में मदद करने वाले जानवर

इन जानवरों को जिन्हें हम घरों में रखते हैं और पालते हैं, ***पालतू जानवर*** *कहते हैं। पालतू जानवरों को* ***पालतू पशु*** *भी कहते हैं।*

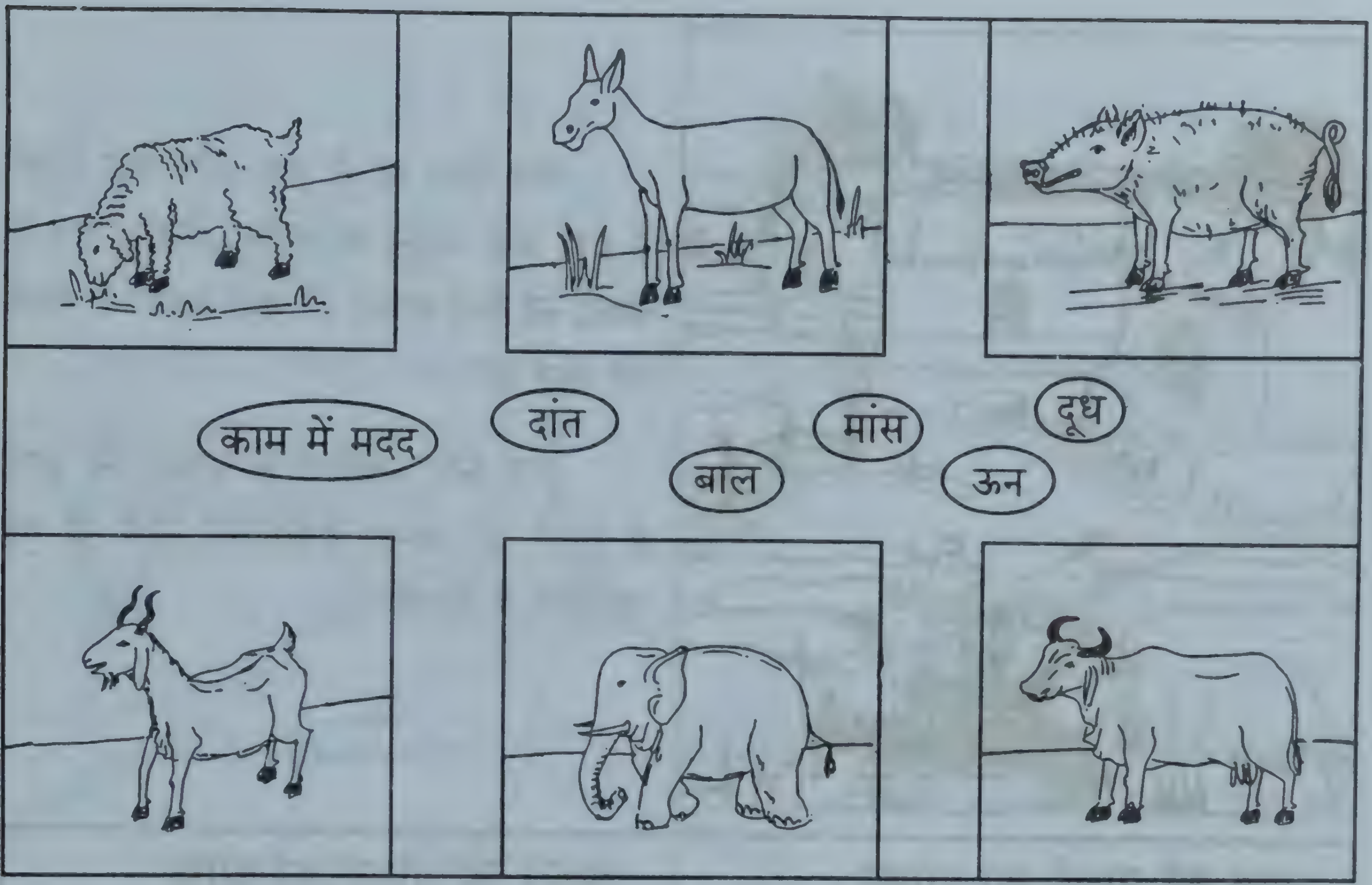

हमें पालतू जानवरों से कुछ चीजें चाहिये जो बीच में दी गई हैं। ये चीजें जिन जानवरों से मिल सकती हैं, क्या तुम वहां तक पहुँचा सकते हो? (डिब्बों के सही जोड़े मिलाओ)

गाय, भैंस, बकरी, भेड़, गधा, घोड़ा और कुत्ता सभी पालतू जानवर होते हैं। इनके रहने की जगह भी हमारे घरों में ही होती है। पर इन सभी को रखने का तरीका अलग अलग होता है।

गांव के किसी ऐसे घर को चुनो जहां खूब अधिक संख्या में बकरियां पाली गई हों। यदि तुम्हारे घर में ही पाली गई बकरियों की संख्या अधिक हो तो वहां भी देख सकते हो। बकरियों को बांधने का तरीका देखो, और बकरी के बच्चे कैसे रखे जाते हैं उसे देखो।

अब जिस घर में गाय और भैंस पालते हैं वहां उन्हें बांधने का तरीका देखो। गाय के बछड़े को कैसे बांधते है? क्या बकरी के बच्चों की तरह ही?

गाय और बकरियों के बांधने की जगह में तुमने जो अन्तर देखा उसे नीचे दी गई तालिका में लिखो-

गाय को बांधने का तरीका	बकरी को बांधने का तरीका

तुम्हारे गांव के कुछ घरों में सूअर भी पाले जाते होंगे। तुमने उनके रहने की जगह देखी है? सूअर के लिए जो छोटे-छोटे घर बनाये जाते हैं। उन्हें तुम्हारे गांव में क्या कहते हैं?

तुम्हारे गांव के कुछ घरों में भेड़ें भी पाली जाती होंगी। भेड़ों के रहने की जगह बकरियों के रहने की जगह से बहुत कुछ मिलती जुलती होती है। गांव में ही तुम्हें कुछ और पालतू जानवर मिल जायेंगे। जैसे-गधा, घोड़ा, कुत्ता, बिल्ली, खरगोश आदि।

अब तक तो तुम्हारे पास पालतू जानवरों या पशुओं की एक अच्छी खासी सूची तैयार हो गई होगी। तुम्हारे गांव और उसके आस-पास के गांव व.ले इसी तरह के जानवरों को पालते हैं। जिनकी बात हम पहले कर चुके हैं।

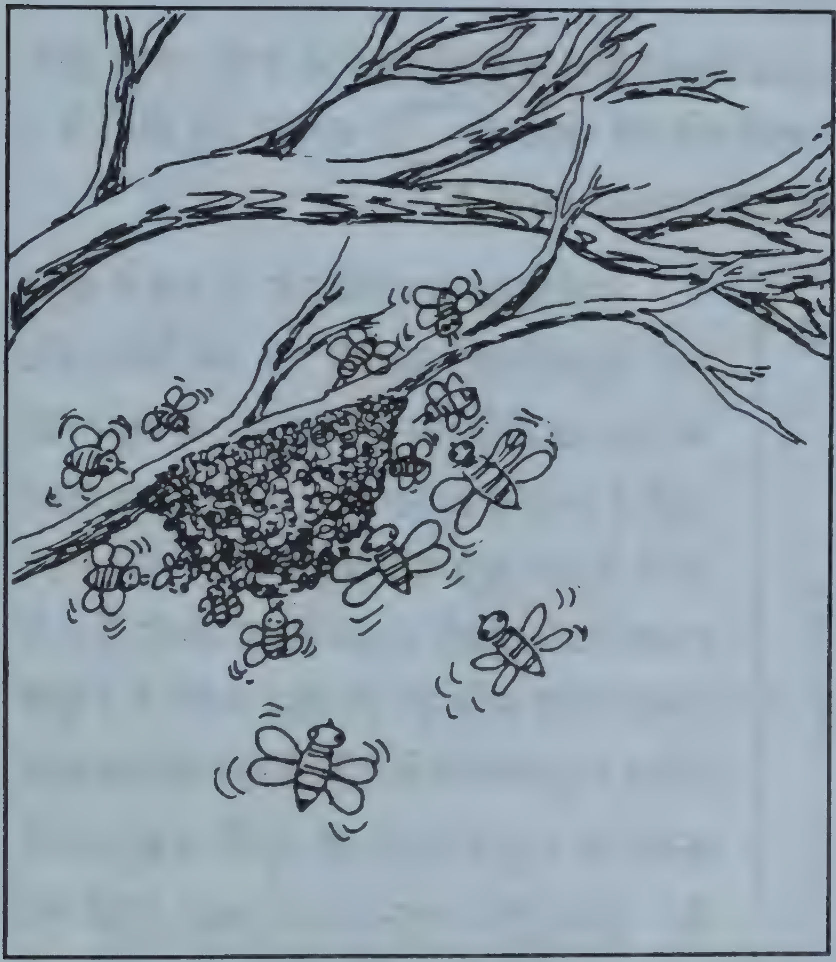

पर आजकल कुछ अलग प्रकार के जीवों को पालने का चलन भी चल पड़ा है। ये जीव काफी छोटे होते हैं, और इन्हें पालना भी कठिन होता है।

तुमने फूलों पर घूमती हुई मधुमक्खियों को अवश्य देखा होगा।

क्या कभी किसी मधुमक्खी ने तुम्हें या तुम्हारे घर वालों में किसी को काटा भी है? न ही काटा हो तो अच्छा है। मधुमक्खियों के घरों को क्या कहते हैं? ....

क्या तुमने किसी मधुमक्खी के छत्ते को ध्यान से देखा है ? वह किस तरह का बना होता है? ....

....

आओ, किसी छत्ते को देखते हैं। पर एक मुश्किल है। यदि छत्ते में मधुमक्खियां हुईं और तुमने उनको छेड़ा तो वे काट भी सकती हैं।

पहले वह जगह ढूंढ़ो जहां मधुमक्खियां अपना छत्ता बनाती हैं। मधुमक्खियां अपना छत्ता किसी पेड़ की डाल पर, किसी मकान की दीवार पर या किसी अन्धेरे कुएं की दीवार पर बनाती हैं। ये अपना छत्ता किसी शांत और एकांत जगह पर ही बनाना पसन्द करती हैं। तुम पूरे गांव में घूमकर या अपने साथियों की मदद लेकर ऐसे छत्ते ढूंढ़ सकते हो। पर उसे दूर से ही देखना। कई बार मधुमक्खियां छत्ता छोड़ कर उड़ जाती हैं और छत्ता खाली हो जाता है?

तुम छत्ते को रोज देखते हुए ऐसे ही समय का इन्तजार करो। जब तुम्हें ऐसा लगे कि छत्ते से मधुमक्खियां उड़ चुकी हैं। तो किसी अपने से बड़े व्यक्ति को बुलाकर एक बार उससे भी पूछ लो कि अब छत्ता छूने में कोई नुकसान तो नहीं है?

अब खुद या किसी की मदद लेकर छत्ता निकाल लो? छत्ते को ध्यान से देखो। इसमें तुम्हें बहुत से छोटे-छोटे घर से बने दिखेंगे। सभी घरों की रचना आकार की होती है। इन घरों में मधुमक्खियां अंडे देती हैं और शहद भरकर रखती हैं।

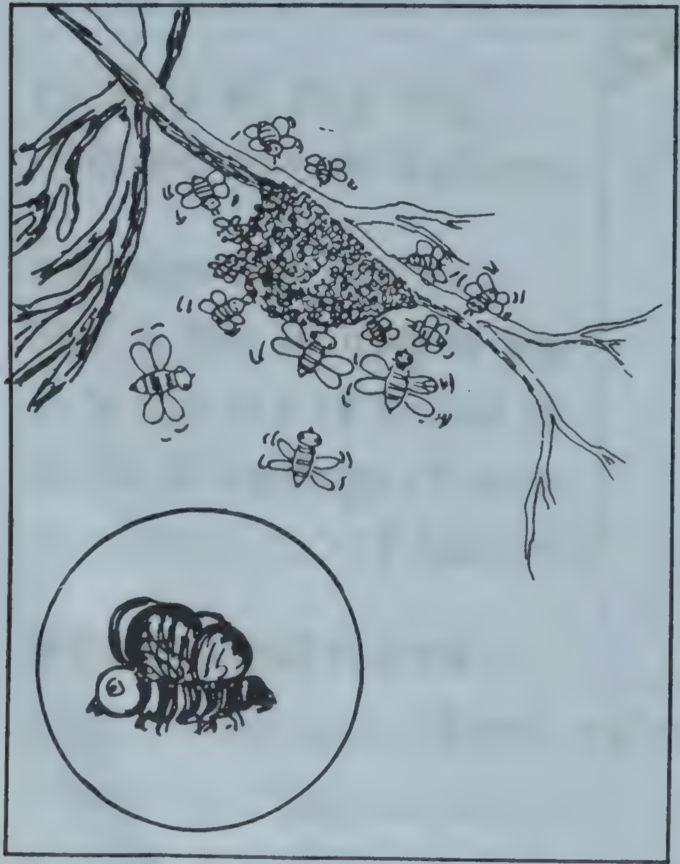

तुमने देखा होगा कि एक ही छत्ते में ब्रहुत सारी मधुमक्खियां रहती हैं। ये सब मिल-बांट कर काम करती हैं। हर छत्ते में एक रानी मधुमक्खी होती है। यह कुछ काम नहीं करती। बस शहद खाती है और खूब सारे अंडे देती है। कुछ शहद इकट्ठा करने वाली मधुमक्खियां होती हैं। ये केवल शहद लाने का ही काम करती हैं। कुछ सैनिक मधुमक्खियां होती हैं। ये छत्ते की रखवाली करती हैं। तुम छेड़ो तो तुम्हें डंक मारती हैं। कुछ दूसरी मधुमक्खियां छत्ता बनाने का काम करती हैं। इन सब को अपने-अपने ही काम करने आते हैं। सब अपने-अपने ही काम करती हैं।

छत्ते में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग कमरे होते हैं। जैसे कुछ कमरे शिशु-मधुमक्खियों के लिए होते हैं। कुछ में पराग इकट्ठा होता है। और कुछ कमरों में

शहद होता है। छत्ते के कुछ हिस्सों में मोम भी होता है। क्या तुम जानते हो शहद और मोम किस काम आता है? यदि नहीं जानते तो अपने शिक्षक से पूछ कर लिखो-

1. शहद - ....

....

2. मोम - ....

....

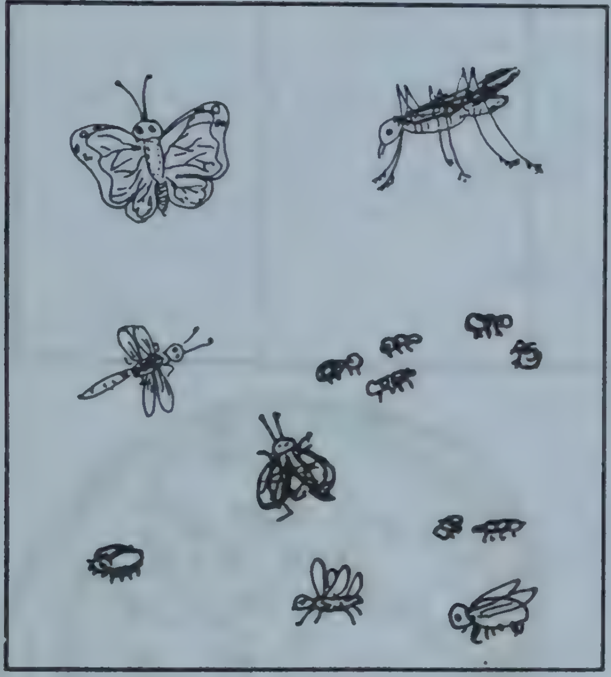

मधुमक्खियों के समान ही कुछ और छोटे-छोटे जीवों को तुमने अपने आस-पास देखा होगा। ये छोटे छोटे जीव कीट कहलाते हैं। कुछ कीट उड़ सकते हैं। जब कि कुछ कीट ऐसे होते हैं जो उड़ नहीं सकते। सभी कीट अण्डे देते हैं। कुछ कीट ऐसे होते हैं जो अण्डों से निकलने वाले बच्चों को पालते हैं और पाल-कर बड़ा करते हैं। जबकि कुछ कीट ऐसे होते हैं जिन के अण्डे से निकलने वाला बच्चा अपने माँ-बाप को देखता तक नहीं।

जो कीट अपने बच्चों को पालते हैं वे इनके लिए घर भी बनाते हैं। कीटों के घर अलग-अलग नामों से जाने जाते हैं। जैसे मधुमक्खी का घर मधुमक्खी का छत्ता कहलाता है।

दीमक के घर को तुम्हारे यहां क्या कहते हैं? ....

चीटियों के घर को क्या कहते हैं? ....

इन नामों को यदि तुम नहीं जानते तो अपने मां या पिता जी से पूछ कर लिखो।

कीटों की दुनिया बहुत बड़ी है। कुछ कीट तुम्हारे घर के सामान में, अनाज में, पालतू जानवरों के शरीर पर पाये जाते हैं। और कुछ तो तुम्हारे शरीर पर भी पाये जाते हैं। अपने सिर के बालों में पाये जाने वाले कीट को जानते हो या उसका भी नाम बताना होगा? ....

नीचे एक टोकरी है जिसमें कई प्रकार के कीट हैं। इन्हें निकालो, छांटो और नीचे बनी तालिका में इनके नाम सही जगह पर लिखो:

क्र.	फूल, पेड़ पर मिलने वाले कीट	घर में मिलने वाले कीट	घर के सामान में मिलने वाले कीट	घर के पशुओं पर मिलने वाले कीट	हमारे शरीर पर मिलने वाले कीट

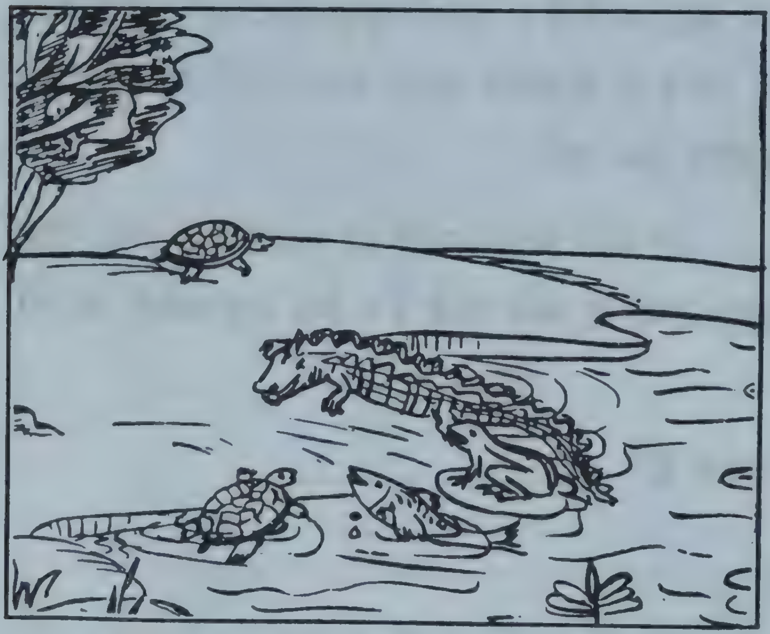

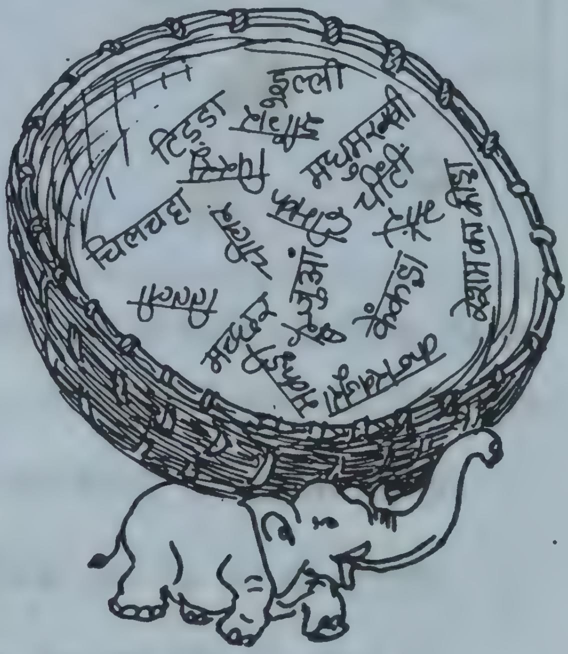

इस तरह तुमने देखा कि भीकू बन्दर का काम बहुत बड़ा है। उसे एक तरफ पालतू जानवरों को बुलाना है तो दूसरी तरफ कीट पतंगों को भी। इस बड़े काम को खत्म करते-करते हमको काफी समय लग गया। इस समय तक तो चपलू कछुआ पानी में रहने वाले सभी जीवों को बुला भी चुका होगा।

क्या तुम बता सकते हो कि उसने किस-किस को बुलाया होगा?

क्र.	पानी में रहने वाले जीव	क्र.	पानी और ज़मीन दोनों में रहने वाले जीव

*पानी में रहने वाले जीवों को हम **जलीय जीव** कहते हैं। कुछ जीव ऐसे होते हैं जो पानी और जमीन दोनों जगह पर रह सकते हैं। जैसे - मेढ़क, जोंक आदि।*

मजेदार बातें - मछलियों की

1. एक मछली का सिर घोड़े जैसा और पूँछ बन्दर जैसी होती है। इसे घोड़ा मछली कहते हैं।
2. बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है। कई मछलियां अपने बच्चों को भी खा जाती हैं।
3. कुछ मछलियां करंट मारती हैं।
4. कुछ मछलियाँ अपना रंग बदल लेती हैं।
5. कुछ मछलियाँ पानी के ऊपर कुछ दूर तक उड़ सकती हैं । इन्हें उड़ने वाली मछली कहते हैं।
6. कछुआ संकट के समय अपने पैरों को इस तरह समेट लेता है कि पत्थर की बनी खोपड़ी की तरह दिखाई देने लगता है।

जंगल की सभा में जिन कीट पतंगों जानवरों और पक्षियों को बुलाना है उन सभी को हमने चिट्ठी लिख दी है। कुछ चिट्ठियाँ हमने भेज दी हैं, कुछ बची हैं। उनको भेजने में अगले पृष्ठ पर हमारी मदद करो।

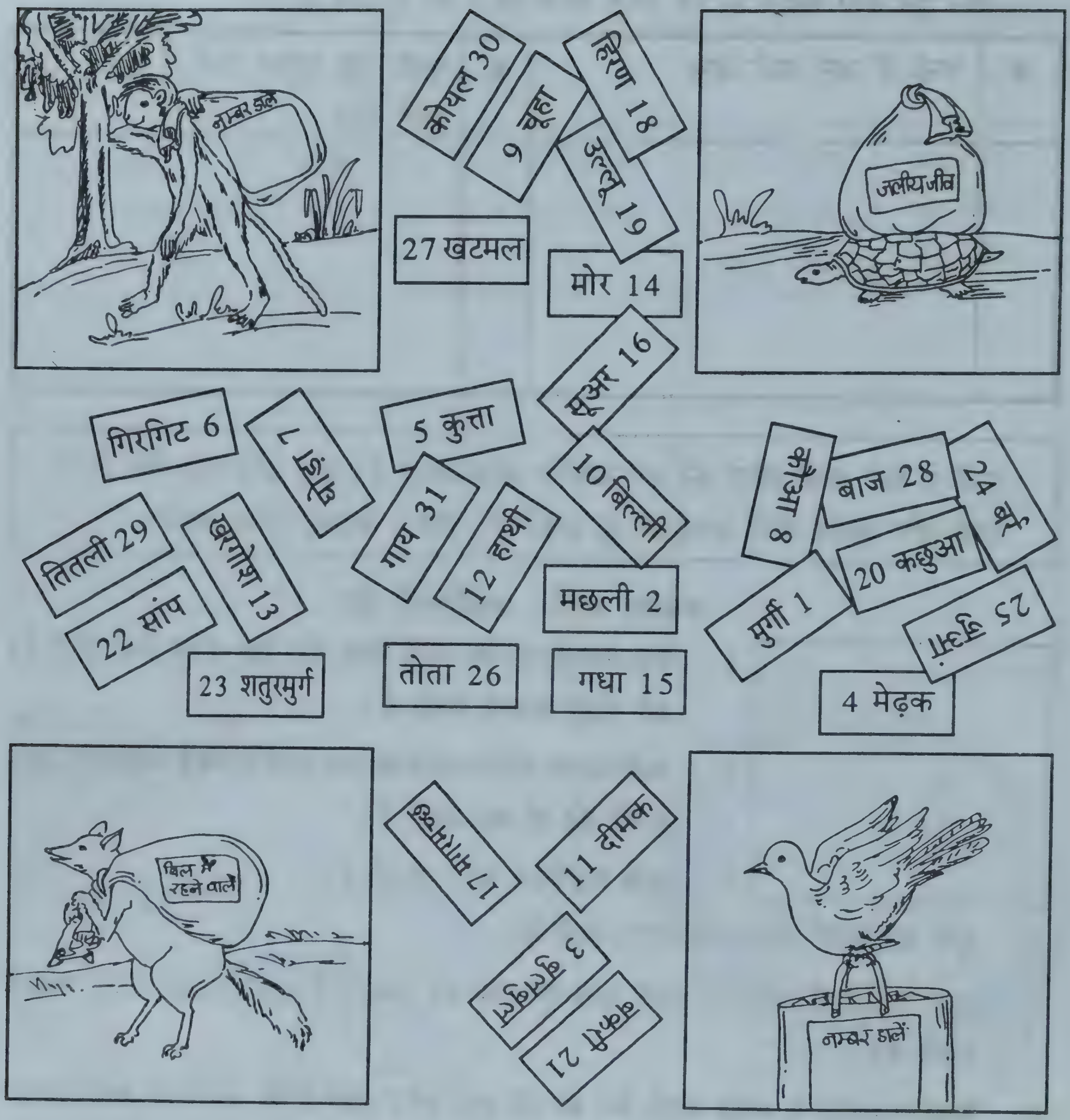

चिट्ठियों पर नम्बर पड़े हैं। कौन से नम्बर की चिट्ठी किस थैले में है थैले पर केवल नम्बर डालकर बताओ।

जब तक ये सारी चिट्ठियां जंगल और जंगल से बाहर रहने वाले जानवरों, पक्षियों, कीट-पतंगों और मछलियों तक पहुँचें तब तक हम अपने भी कुछ काम कर लेते हैं।

अंग - किसके कैसे?

अभी तक हमने देखा कि : पक्षी घोंसलों में रहते हैं।

- पालतू जानवर हमारे घरों या उनके बाड़ों में रहते हैं।
- मछलियां पानी में रहती हैं।
- शेर, चीता आदि जंगलों में रहते हैं।

कभी किसी गाय को आकाश में उड़ते हुए देखा है?

सोचो, यदि सारी मछलियाँ हमारे चारों ओर उड़ती हुई जायें, हम भी पक्षियों की तरह उड़ते हुए एक जगह से दूसरी जगह जायें। पर क्या कभी ऐसा हो सकता है?

शायद नहीं। क्यों कि हम या हमारे आस-पास के जीव वही काम कर सकते हैं जिनको करने वाले अंग हमारे या उनके शरीर में होते हैं । बिना पंखो के कोई उड़ नहीं सकता और बिना पैरों के कोई चल नहीं सकता।

चलो, पहले पक्षियों को ही देखते हैं कि उनके शरीर में ऐसे कौन से अंग पाये जाते हैं जिनसे वे उड़ सकते हैं।

पहले अंग तो उनके पंख होते हैं। पर क्या केवल पंख होने से उड़ना आ जायेगा?

आओ देखते हैं उड़ने के लिए पंख के अलावा और क्या-क्या चाहिये।

उड़ने वाले एक पक्षी को देखते हैं। एक पक्षी तो तुम्हारे घर में ही मिल जायेगा, वह है- गौरैया। यह तुम्हारे घर के सभी कमरों में, आंगन में, रसोई घर में, सभी जगह पहुँच जाती है। कुछ दाने चावल, ज्वार या पके चावल के ही कुछ दाने गौरैया के सामने डाल दो। जब तक वह दाना चुगती है तुम उसे ध्यान से देखो और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो:

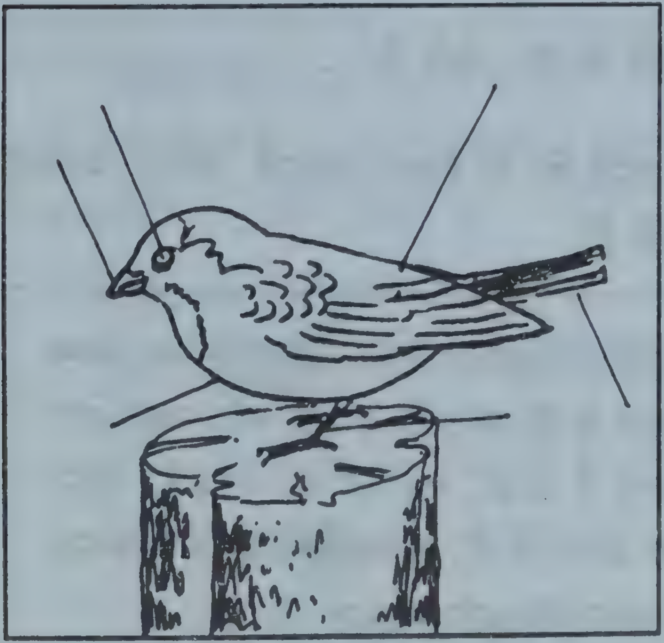

1. गौरैया के कितने पंख हैं? ....
2. कितनी आंखें हैं?.......................
3. नाक कैसी है?.........................

4. चोंच कैसी है ? ....

5. पैर कितने हैं ? ....

6. पैर के पंजों में अँगुलियां कितनी हैं ? ....

7. पंजे कैसे है? ....

8 . शरीर का रंग कैसा दिखाई देता है? ....

9. गौरैया चलती कैसे है? चलते समय दोनों पैर एक साथ उठाती है या एक बार में एक पैर? ....

क्या तुमने गौरैया को हाथ में लेकर उठाया है? ....

उनका शरीर भारी होता है या हल्का ? ....

उड़ने के लिए किसी पक्षी के पंख होने चाहिये और शरीर बहुत ही हल्का होना चाहिये। कुछ पक्षियों के शरीर भारी होते हैं । इसलिये पंख होते हुए भी वे उड़ नहीं पाते।

क्या तुम जानते हो कि पक्षी की चोंच और शरीर का आकार भी पक्षी को उड़ने में मदद करता हैं। यह आकार आगे कम चौड़ा और पीछे अधिक चौड़ा होता है।

किसी छोटे पक्षी को बिना नुकसान पहुँचाये पकड़ कर उसके मुँह को खोल कर देखो ।

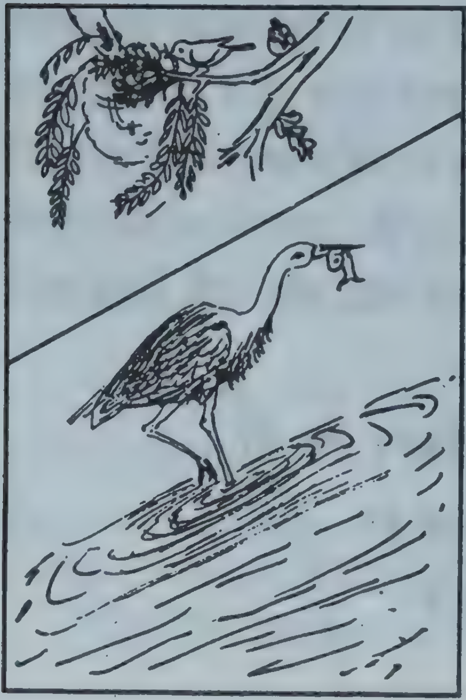

क्या पक्षियों के दांत होते हैं? ....

फिर पक्षी दानों को या मेढ़क, मछली, कीड़ों, मकोड़ों को कैसे खा लेते हैं?

पक्षियों के दांत नहीं होते। काटने या चीरने का काम वे अपनी चोंच से ही करते हैं। इनकी चोंच बहुत तेज होती है। इससे वे कीड़ों, मकोड़ों को पकड़ने, चीरने का काम तो करते ही हैं, अपना बचाव और अपनी सफाई का काम भी इसी से करते हैं।

क्या सभी पक्षी उड़ सकते हैं? ....

पक्षियों का पूरा शरीर परों से ढ़का होता है। कुछ पक्षियों के पर बहुत सुन्दर और कई रंग के होते हैं। पर कुछ पक्षियों के पर इतने भारी और लम्बे हो जाते हैं कि वे पक्षी को उड़ने नहीं देते।

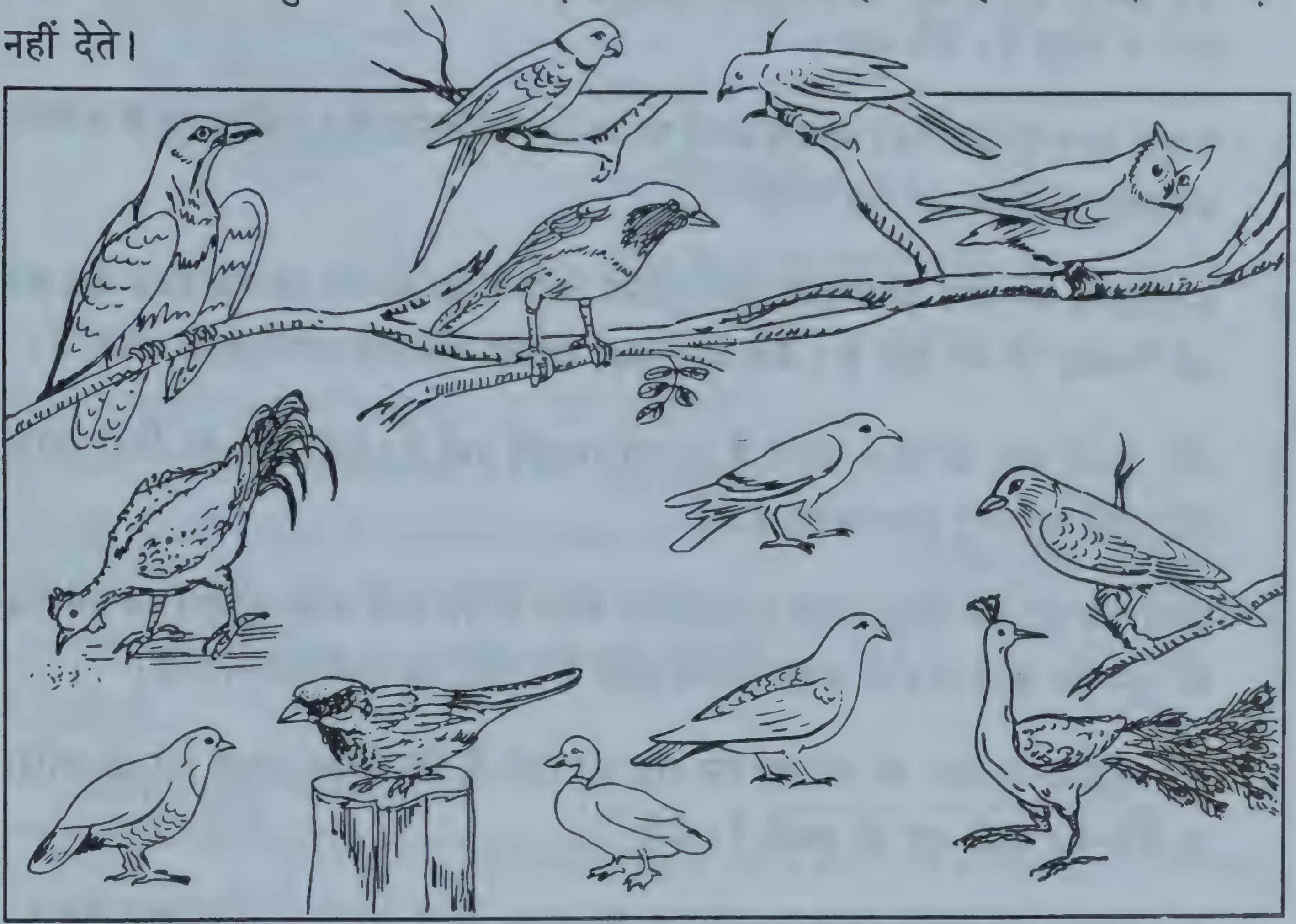

पक्षियों की हमने बहुत बातें की। यह भी देखा कि पक्षी बहुत तरह के होते हैं। पर कुछ बातें ऐसी होती हैं जो सभी पक्षियों में समान होती हैं। उन में से कुछ मोटी-मोटी बातें जो तुम देख सकते हो, नीचे लिखी हैं:

1. सभी पक्षी अंडे देते हैं।
2. सभी पक्षियों के दो टांगें होती हैं। और पंजे होते हैं।
3. सभी पक्षियों के दो पंख होते हैं, चाहे छोटे हो या बड़े।
4. सभी पक्षियों के चोंच होती है और दांत नहीं होते।

अब अंत में पक्षियों के बारे में कुछ मजेदार बातें अगले पन्ने पर लिखी हैं।

मजेदार बातें - पक्षियों की

1. कुछ पक्षी अपनी चोंच से दूसरे पक्षियों को मारते है। इसका उपयोग दूसरे पक्षियों का शिकार करने में होता है। जैसे बाज।

2. कबूतर बहुत दूर तक उड़ने के बाद अपने घर वापस लौट सकता है। इसलिये इस से डाकिये का काम भी लिया जा सकता है।

3. कठफोड़वा की चोंच इतनी कड़ी और नुकीली होती है कि वह पेड़ की लकड़ी में छेद कर उसे चिकना भी कर देता है। जैसे कोई बढ़ई लकड़ी को रमद कर चिकना करता है।

4. तोते हमारी बात को बोल सकते हैं पर उसे समझते नहीं हैं। इसी लिए हम बिना समझे रटने वाले को रटटू तोता कहते हैं।

5. कीवी नाम का पक्षी चलते समय ऐसी आवाज करता है जैसे पानी बरस रहा हो। उस आवाज को सुन कर कीड़े-मकोड़े बाहर निकल आते है। और वह उन्हें खा लेता है।

6. कुछ पक्षियों के पंजो की बनावट इस तरह की होती है कि वे एक पतले तार या शाखा पर बैठे-बैठे सारी रात सो सकते हैं। जैसे.................................?

7. कुछ पक्षियों की आंखें इतनी तेज होती हैं कि वे दूर से मरे हुए जानवर को देख लेते हैं। जैसे.............................?

8. मोर के रंग-बिरंगे और चमकीले पंख होते हैं, मोरनी के नहीं।

अब कीटों के शरीर की बनावट देखते हैं।

कीटों के अंगों को देखने के लिए हमें बाहर मैदान में चलना होगा। मैदान में कोई तितली ढूंढ़ो।

एक तितली पकड़ कर लाओ। पर ध्यान रखना, तितली के पंख बहुत कोमल होते हैं। कहीं उस को चोट नहीं लगे। हम इसे पकड़ कर देखेंगे। फिर उड़ा देंगे।

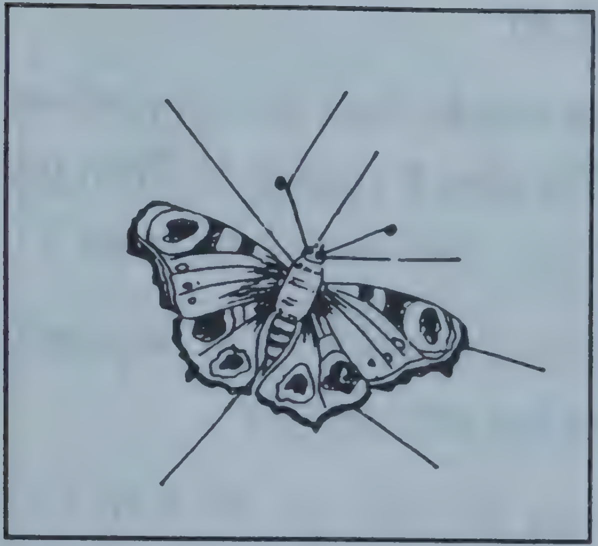

तितली को देख कर प्रश्नों के उत्तर दो:

1. पैर कितने जोड़ी हैं?..............................

2. सिर पर लम्बी मूंछ जैसी रचनाएँ कितनी हैं?.....

3. पंख कितने हैं? ....

4. नाक दिखती है या नहीं? ....

5. शरीर के कितने हिस्से दिखते हैं? ....

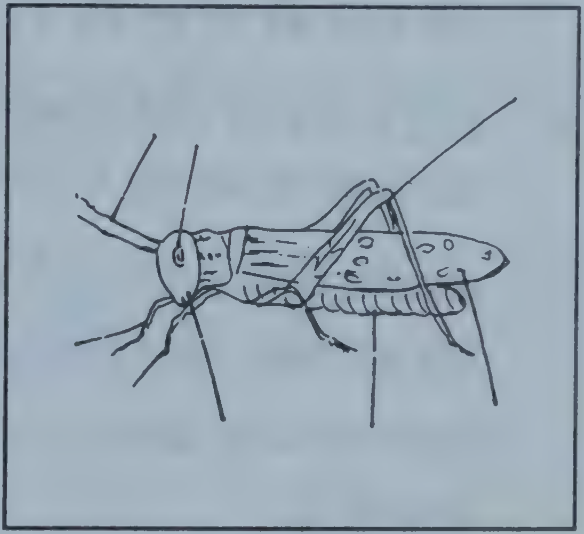

इसी तरह के अंग तुम टिड्डे में भी देख सकते हो। कीटों का शरीर बहुत मुलायम होता है। सिर पर सामने दो लम्बी मूँछ जैसी रचना होती है। यह मूँछ बहुत काम की होती है। इससे कीट गन्ध और स्वाद का पता लगाते हैं। हम जिस तरह छू कर किसी चीज का पता लगाते हैं, उसी तरह छूने का काम भी कीट इन मूँछों से करते हैं।

कीटों के आंखें कितनी होती है?................

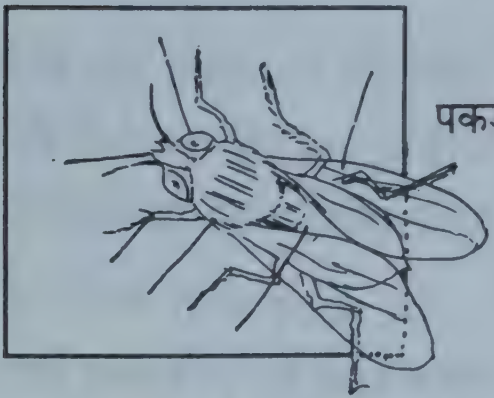

कीटों की आंख के बारे में पता करने के लिए पहले एक मक्खी पकड़ो और ध्यान से उसके सिर को देखो:

कितनी आंखे दिखती हैं? ....

गर्दन दिखाई देती है? ....

कीटों में गर्दन या गला नहीं होता।

तुम्हारे पीछे कोई आ रहा हो तो उसे देखने के लिए तुम अपनी गर्दन घुमा कर देखते हो। पर कीटों में गर्दन होती ही नहीं है। तब उन्हें पीछे से आने वाले का पता कैसे चलता होगा? ....

इसके लिए उनकी आंखें अलग प्रकार की होती हैं। वे इन आंखों से अपने आगे, पीछे, अगल-बगल सभी ओर देख लेते हैं।

मजेदार बातें - कीटों की

1. कुछ जगहों पर एक विशेष प्रकार का पिंजरा बनाया जाता है, जिसमें कुछ जुगनू बन्द कर लिए जाते हैं। जुगनू रात के अंधेरे में एक चमक पैदा करता है। इसलिए यह पिंजरा एक लालटेन की तरह काम करता है। लड़कियाँ जुगनू को अपने बालों में भी सजाती हैं।

2. अधिकतर कीट इतने अण्डे देते हैं कि अण्डे देने के बाद वे मर जाते है। पर बर्र, मधुमक्खी, चींटियाँ और दीमक अपने बच्चों की अच्छी तरह देख भाल करते हैं।

3 कीट अपने भार से भी अधिक भोजन करते हैं। कुछ कीट इतने भूखे होते है कि अपने भाई बहनों को भी खा लेते हैं।

4. कीटों से निकलने वाली आवाज उनके पंखों को आपस में रगड़ने से निकलती है। कुछ कीट अपने पैर को पंख से रगड़ कर आवाज करते हैं, जैसे-टिड्डा।

5. मधुमक्खियों की टांगों पर कंघी और ब्रश जैसी रचना होती है। जिससे वे छत्ते बनाते समय मोम को अलग अलग आकार देती हैं।

6. कीटों की आँखे कमजोर होती हैं। वे केवल गंध और स्वाद को ही अच्छी तरह पहचानते हैं।

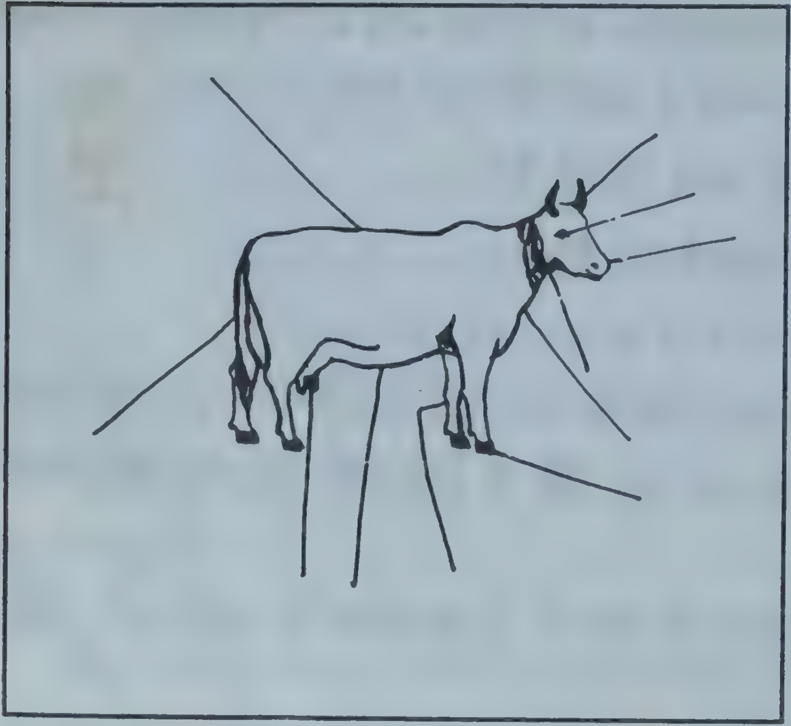

अभी तक हम पक्षियों और कीटों को देख रहे थे। अब जमीन पर अपने आस पास चलने वाले जानवरों को देखते हैं।

आओ, पहले किसी जानवर की शरीर रचना देखते हैं। इसके लिए किसी पालतू जानवर को चुन लें। तुम्हारे घर में गाय, भैंस, बकरी, भेड़, कुत्ता या गधा, कोई भी जानवर हो उसे देखकर अगले पन्ने पर लिखे प्रश्नों के उत्तर दो:

1. सिर में दिखने वाले अंग

	अंग	संख्या
1.	सींग	2
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

2. पैरो की संख्या? अगले ....

पिछले ....

3. पैरों मे खुर हैं या पंजे ? ....

4. पंजे हैं तो पंजो में अंगुलियों की संख्या ?

....

5. पूंछ कैसी है? (बालों वाली, लम्बी, मुड़ी हुई) ....

अब देखते हैं ये चलते कैसे हैं?

किसी गाय को चलते हुए देखो और प्रश्नों के उत्तर लिखो-

(अ) चलने के लिए एक साथ कितने पैर उठाती है?

(ब) आगे के दायें पैर के साथ पिछला कौन सा पैर उठाती हैं?

(स) पीछे के दायें पैर के साथ अगला कौन सा पैर उठाती हैं?

सभी जानवरों के चलने का तरीका एक जैसा नहीं होता। गाय और खरगोश के चलने के तरीके में क्या फर्क है ? ....

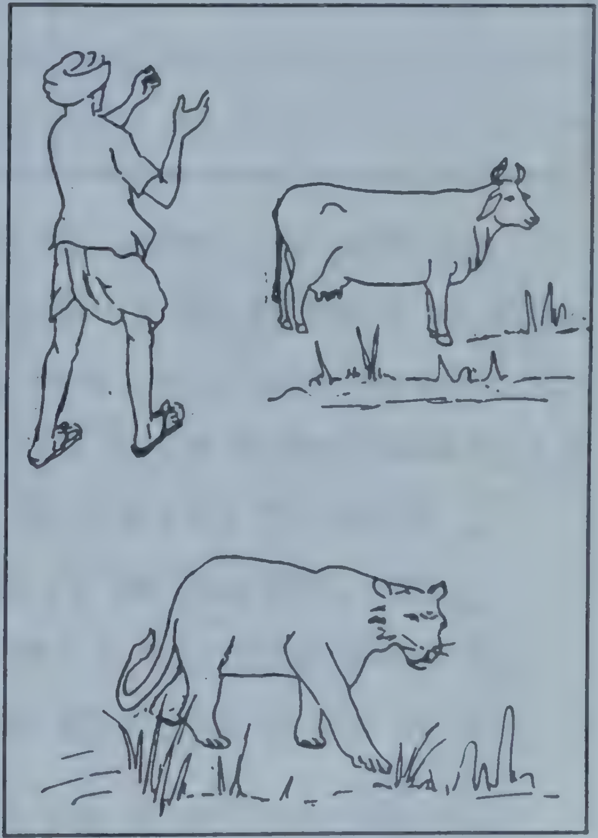

*जानवरों या पशुओं में कुछ केवल पत्ते, अनाज या फल खाते हैं। इनको हम **शाकाहारी** कहते हैं। पर कुछ जानवर केवल मांस खाते है। इन्हें हम **मांसाहारी** कहते हैं। मांसाहारी जानवरों के दांत चीरने फाड़ने वाले होते हैं। जैसे शेर के दांत।*

नीचे दी गई तालिका में जानवरों के नाम लिखोः

क्र.	केवल मांस खाने वाले जानवर	केवल शाक खाने वाले जानवर	शाक और मांस दोनों खाने वाले

गाय, भैंस, ऊंट, खरगोश, शेर आदि जैसे जानवरों को चौपाये जानवर कह सकते हैं। क्योंकि इन के चार पैर होते हैं। चौपाये जानवर भी बहुत सारे होते हैं। इन का रहने, खाने-पीने, चलने का तरीका अलग-अलग हो सकता है। पर कुछ बातें इन में भी एक जैसी होती हैं। इन समान बातों में से कुछ ये हैं:

1. ये अंडे नहीं देते। बच्चे को जन्म देते हैं।
2. सभी अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं।
3. इन के चार पैर होते हैं। या दो पैर और दो हाथ होते हैं।
4. इन सभी के शरीर में रीढ़ की हड्डी होती है

क्या तुमने ध्यान दिया कि ऊपर लिखी चारों बातें इन्सान पर भी लागू होती हैं। बस हाथों को अगली टांगें मानने की जरूरत है। वास्तव में हम लोग भी चौपाये जानवरों के भाई-बहन ही हैं। बन्दर तो तुम से बहुत ही मिलता है। बस, हम लोगों में अक्ल थोड़ी ज्यादा है। और हमारे हाथ बहुत सारे तथा बहुत बारीक काम कर सकते हैं। वर्ना तुम में और बन्दर में क्या फर्क है?

जानने लायक बातें - जानवरों की

1. चार पैर वाले कुछ जानवरों में उनकी रक्षा के लिए सिर पर दो सींग पाये जाते हैं। जैसे गाय, बकरी ।
2. पालतू जानवर शरीर के अंगों को हिला कर अपना प्रेम या गुस्सा दिखाते हैं। जैसे कुत्ता पूंछ हिला कर प्रेम दिखाता है। गाय या भैंस अपने सिर को हिला कर प्रेम और गुस्सा दोनों दिखाती हैं।
3. शिकारी पशुओं के पंजों में नाखून होते हैं और मुँह में दांत।
4. एक जानवर ऐसा है जो घर बना कर रहता है, खेती करता है और किताब भी पढ़ सकता है । उस का नाम बताओ?..................

तालमेल: किसका? किससे?

तुमको याद होगा कि इस पुस्तक की शुरू में हमने जंगल की एक सभा की बात की थी। जिसमें जंगल और जंगल के बाहर रहने वाले सभी जीवों को बुलाने की जिम्मेदारी भीकू बन्दर, चपलू कछुआ, सोनू चिड़िया, और दद्दू शेर ने ली थी। इन सब को किन किन जानवरों, पक्षियों और कीट पतंगों को बुलाना है यह बताने में तुमने मदद भी की थी। दोबारा सभा अगले माह होगी यह तय किया गया था।

एक महीना बीत चुका है। आज वह दिन आ गया जब सभा होनी है। सभी आ चुके हैं और सभा शुरू होने वाली है।

आओ, ध्यान लगा कर देखें और सुनें कि सभा में क्या हो रहा है?

सबसे पहले दद्दू शेर ने बात शुरू की उसने कहा - ''इस दुनियां मे जितनी संख्या हम जानवरों, पक्षियों और कीट पतंगों की हैं, उससे अधिक संख्या मनुष्यों की नहीं है। हम एक दूसरे को उतना नुकसान नहीं पहुँचाते जितना मनुष्य हमें पहुँचाते हैं। जब कि हम मनुष्यों को कुछ न कुछ देते ही हैं। यदि हम ही नहीं रहेंगे तो हमसे मिलने वाली चीजें उन्हें कैसे मिलेंगी? इस लिए हमें एक बार मनुष्यों को यह बताना ही पड़ेगा कि यदि हमारा नुक़सान होगा त़ो यह उनका भी नुक़सान होगा।''

इतना कह कर दद्दू शेर बैठ गया। सबसे पहले पक्षियों की तरफ से मोर बोला। उसने बताया- ''हम पक्षियों के परों और बालों से मनुष्य कपड़े बनाता है जो उसे ठण्ड से बचाते है। कुछ पक्षी जैसे गिद्ध, कौआ, चील, आदि मरे हुए जानवरों को खाते हैं जिससे दुनिया में गन्दगी नहीं फैलती ।

ऐसे बहुत से पक्षी हैं जिनके अण्डे खा कर मनुष्य ताकत पाता है। खेतों को नुकसान पहुँचाने वाले छोटे-छोटे कीड़ों को खाकर हम खेती को नुकसान से बचाते हैं।

इस संसार को सुन्दर बनाये रखने का काम हम करते हैं।

पक्षियों से मिलने वाली इन चीजों को यदि मनुष्य हमेशा पाना चाहता है। तो उसे चाहिये कि वह न तो पक्षियों का अन्धा-धुन्ध शिकार करे और न ही उन घोंसलों को तोड़े, जिसमें हमारे बच्चे या अण्डे रहते हैं।

हमारे घोंसले बने रहें इसके लिए मनुष्यों को पेड़ों की कटाई भी बन्द करनी होगी। क्योंकि जब पेड़ ही नहीं रहेंगे तो हम कहाँ बैठेंगे? कोयल कहाँ बैठकर गायेगी और बया कहाँ घोंसला बनायेगी?

पक्षियों के बाद बारी आई कीट पतंगों की। अनकी तरफ से तितली ने कहना शुरू किया-

''कीट पतंगे कई जरूरी चीजों को इकट्ठा करते हैं। जैसे शहद, मोम आदि। इनसे मनुष्य दवाइयाँ बनाता है। कीट एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराते हैं जिससे नये फल और बीज बनते हैं।

कुछ कीटों से बहुत महंगी चीजें मिलती हैं जैसे- रेशम, लाख ।

कुछ छोटे-छोटे कीट जैसे मच्छर, मक्खी, पिस्सू, जूँ, किलनी आदि मनुष्यों को बीमार भी करते हैं, परन्तु इनकी संख्या बढ़ाने का काम भी तो मनुष्य ही करते हैं। मनुष्य अपने चारों तरफ गन्दा पानी इकट्ठा करके, सड़ी चीजें इधर-उधर फेंक कर, अपने रहने की जगह को इतना गन्दा कर देता हैं कि ऐसे कीटों की संख्या, जो मनुष्यों को नुकसान पहुँचाते हैं, बहुत बढ़ जाती है । जिससे लोग बीमार पड़ते हैं। यदि मनुष्य अपने आस-पास सफाई रखे तो ये नुकसान देने वाले कीट बढ़ेंगे ही नहीं।

इस तरह यदि मनुष्य चाहे तो खुद बीमार होने से बच सकता है।

यदि मनुष्य चाहता है कि अच्छे फलों और बीजों को बनाया जाय तो उसे कीट पतंगों के साथ मिल कर रहना होगा।''

तितली के बाद जानवरों की तरफ से बोलने का काम लोमड़ी ने किया। उसने कहा - ''हम जानवर बहुत समय से मनुष्यों से मिल कर रहते आये हैं।

पालतू जानवर घर के सभी लोगों को दूध, मांस आदि तो देते ही हैं, मर जाने के बाद चमड़ा भी देते हैं । जिससे मनुष्य कई तरह की चीजें बनाता है, जैसे ब्रश, बैल्ट, पर्स, बैग आदि । भेड़ जैसे जानवर ऊन देकर ठण्ड से बचने में मदद करते हैं।

हमारे कुछ साथियों जैसे भालू, बन्दर आदि को पकड़ कर, मनुष्य उन्हें नचा कर, परेशान करता है । दुःख देता है ।

इस तरह हम सभी से मनुष्य को फायदे ही फायदे हैं। पर यह मनुष्य कभी तो हमारा शिकार करता है । और कभी उन पेड़ों को, उस धरती को, नुकसान पहुँचाता है जहाँ हम रहते हैं।

यदि मनुष्य ने अपनी आदतों में सुधार नहीं किया तो एक दिन ऐसा आयेगा जब न तो जंगल रहेगा और न जंगल में रहने वाले जीव रहेंगे।''

अन्त में हाथी ने खड़े होकर कहा- ''साथियों, इस दुनिया में कोई ऐसा नहीं है जो अकेला रह सके। इस लिए हम जानवरों, पक्षियों और कीट पतंगों को मनुष्यों का ध्यान रखना चाहिये और उसी प्रकार मनुष्यों को भी बिना मतलब हम जानवरों का नुकसान नहीं करना चाहिये । साथ ही उसे उन चीजों पर भी सोचना चाहिये जिन से हमारा और उसका जीवन है जैसे- पेड़, उपजाऊ जमीन, साफ पानी आदि।

सभी जानवर बहुत परेशान थे कि मनुष्य नाम के जानवर को कैसे समझायें? क्या तुम समझा सकते हो? इसके बाद ही सभा समाप्त हो गयी। सभी अपने अपने घर वापस चले गये और अपना अपना काम करने लगे।

इस सभा में आये सभी जानवर, पक्षी आदि में तुम्हें सबसे अच्छा कौन लगा? किन्हीं दो का चित्र बनाने की कोशिश करो।

चित्र बनाओ ।